Date	Media outlet	Headline	Edition	AVE
Oct 16	Aaj Samaj	JSPL Foundation Launches Rashtriya Swayam Siddh Saman	Chandigarh	64800

जेएसपीएल फाउंडेशन ने लॉन्च किया राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

चंडीगढ़। 'माउंटेन मैन' के नाम से मशहूर दशरथ मांझी बिहार के गया जिले के रहने वाले मज़दूर थे जिन्होंने केवल छैनी-हथौड़ा लेकर 22 सालों की कड़ी कोशिशों के बाद एक पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया। आज दशरथ मांझी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी कहानी जिंदा है। दुःसाहस और दृढ़ संकल्प का यह एक मशहूर उदाहरण है। हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी हैं जिन्होंने अपने गांवों-शहरों में अपनी एक पहचान कायम की है और उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है।

यह कहना है जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड वाइस प्रेसिडेंट कर्नल प्रकाश तिवारी का। कर्नल ने यह बात बीरवार को एक कांफ्रेंस के दौरान कही । उन्होंनें बताया कि जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों को निभाने वाली गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाली जेएसपीएल फाउंडेशन ऐसे ही लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाना चाहती है। ऐसे अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए

प्रेसवार्ता करते जिंदल स्टील के वाइस प्रेसिडेंट प्रकाश तिवारी।

जेएसपीएल फ़ाउंडेशन ने एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की इस वर्ष स्थापना की है। राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान जमीनी स्तर के उन लोगों को सम्मानित करेगा जिन्होंने अपने अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता, और आत्म विश्वास के बल पर जीवन की विपरीत परिस्थितियों को पार किया और अपनी खुद की विशिष्ट पहचान बनाई तथा इस प्रकार वे बहुत से लोगों की प्रेरणा बने। ये लोग परिवतन के दूत बन कर देश के विभिन्न हिस्सों में जा कर वंचितों के उत्थान के लिए काम करेंगे तथा अपने अनुभवों व कठिनाइयों के उदाहरणों से उन्हें अपने सपने सच करने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि ये पुरस्कार 10 श्रेणियों में दिए जाएंगे। महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता (स्टार्ट-अप), शिक्षा, कृषि/ग्रामीण विकास, जन सेवा/समाज सेवा, कला व षिल्प (प्राचीन विरासत/ग्रामीण षिल्प), आजीविका/व्यावसायिक कौषल, स्वास्थ्य, आविष्कार/तकनॉलॉजी (विज्ञान से संबंधित) तथा पयावरर्ण। यह पुरस्कार समारोह 14 जनवरी 2016 को नई दिल्ली के कमानी ऑडिटोरियम में होगा।